KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2016-17

KANNUR - 2017 JANUARY 16-22

Code No. 169

संस्कृतम कवितारचन

विषय: - 'श्यामाम्बर:'

श्याम सुन्दरी....

नयन मनोहर सुन्दर दृश्यं
मृदुल मधुकरं सन्ध्या गगनम ।
मधुमधुवन्तम मधुकर वृन्तम
वन्यमोहनम गगनाकारम ॥

वनिता मुख नव तिलक स्य-
माने शोभति गगनं तरलार्द्र ।
स्थिताति सा नित्यं अत्युत्साहे
हसति सा सदा मञ्जुनिनादे ॥

रक्तं श्वेतं पीतं वर्णं धरति
सा सन्ध्या समये बहव: रूप: ।
गायती सा सन्ध्या गानम
नृत्यती सा सन्ध्या नृत्तम ॥

Scanned by CamScanner

Code No. 169

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
PROGRAMME COMMITTEE

श्वेत वर्णे भाति भास्कर चन्द्रः
प्रकाशती दीप्त मनोहरम सन्ध्या।
विलसती सः अम्बर हृदये
दायती श्याम सुन्दरं गगनम ॥

विश्वमनोहरी श्यामाम्बरम नित्यं
आनन्द दायिनी सा सदा।
डयती पतङ्गः श्याम गगने
लयती स्वयं श्यामाम्बर वर्णे ॥

शृङ्कार रूपिणी सायं गगनम
एकम यौवन तरुणी मणी..।
तस्या सौन्दर्यम अवर्णनीयम
साक्षात कामदेवस्य मोहिनी सा ॥

मानव हृदय दुःख निवारिणी
सा मानव हृदयाकर्षिणी नित्यं।
चैतन्य रूपिणी सा श्यामाम्बरं
नित्यं एकं जीवन पुष्पम ॥

गायती कोकिलः सर्व श्रवण
मधुकर मञ्जुल नादम।
दायती तालमेल सम्मिश्रम
सायं सन्ध्यानुभवम ॥

Scanned by CamScanner

Code No. 169

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
PROGRAMME COMMITTEE

दृष्ट्वा श्यामाम्बर भंगि नृत्यन्ति -
क्रीडन्ति पुष्पाणि: सर्वम् ।
श्रुत्वा श्याम संगीतम् नृत्यती
वृक्षलताति: सर्वम् ॥

अम्बा, अम्बर सुन्दरी ...
अवर्णनीयम् तस्या विश्व सौन्दर्यम् ।
मम नलिनम् नयनम् प्रशोभाति
तस्या रूपभंगी दृष्ट्वा ॥

प्रणमति अम्बे, विश्वसुन्दरी
तव लावण्यस्य पुरत: ।
स्वीकरोतू ... सुर लोक मोहिनी
मम पुष्पार्च्चन ..... ॥

Scanned by CamScanner